Total No. of Printed Pages : 3 Roll No.....

MAHL-205

उत्तराखण्ड का लोक साहित्य

M.A. Hindi (MAHL.-12/16/17)

Second Year, Examination-2020

Time Allowed : 2 Hours Maximum Marks : 80

नोटः यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है। जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल कीजिए।

खण्ड-'क'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड-'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×20=40)

1. लोक साहित्य के संरक्षण की समस्या एवं समाधान पर विस्तृत निबंध लिखिए।

2. कुमाऊँनी लोक साहित्य के स्वरूप एवं विकासक्रम को स्पष्ट कीजिए।

3. गढ़वाली लोकगीतों का वर्गीकरण करते हुए इसकी मुख्य प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।

4. गढ़वाली लोक साहित्य के वर्तमान स्वरूप एवं साहित्य पर प्रकाश डालिए।

5. लोकनाट्य क्या है? कुमाऊँनी लोकनाट्य पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड-'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×10=40)

1. लोक के स्वरूप एवं प्रवृत्ति का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

2. कुमाऊँनी लोकगीतों पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

3. किसी एक कुमाऊँनी लोक कथा का वर्णन कीजिए।

4. 'जागर' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

5. गढ़वाली लोक कथाओं का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

6. किसी एक गढ़वाली लोक गाथा का वर्णन कीजिए।

7. लोकनाट्य विधा पर प्रकाश डालिए।

8. गढ़वाली 'झुमैलो' गीत पर टिप्पणी लिखिए।

******